'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Minor/Dsc 1st Semester Examination, 2024

HINDMIN101/HINDDSC101-HINDI

हिन्दी काव्य

Time Allotted: 2 Hours 30 Minutes — Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (अधिकतम एक या दो शब्दों में) 1×10 = 10

(क) बिहारी किसके दरबारी कवि थे ?

(ख) 'दोहावली' किस कवि की रचना है ?

(ग) 'बीजक' की भाषा क्या है ?

(घ) घनानन्द किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(ङ) भारतेन्दु का जन्म किस वर्ष हुआ था ?

(च) 'सरोज स्मृति' किसकी रचना है ?

(छ) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

(ज) बिहारी के काव्य को किसने 'शक्कर की रोटी' कहा है ?

(झ) घनानन्द को 'प्रेम की पीर' का कवि किसने कहा है ?

(ञ) रघुवीर सहाय की 'पढ़िए गीता' में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** काव्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए — (अधिकतम 150 शब्दों में) 5×4 = 20

(क) राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहेरहुँ, जौ चाहसि उजियार॥

(ख) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।
जा तन की झाईं परै, स्यामु हरित-दुति होई॥

(ग) अति सूधो सनेह को मारग, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं,
तहाँ साँचे चलें तजि आपनपौ झझकै कपटी निसाँक नहीं।

(घ) निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

(ङ) गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार
सामने तरू-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

(च) सतगुरु की महिमा अनंत, अनत किया उपगार।
लोचन अनत उघाड़िया, अनन्त दिखावनहार ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (अधिकतम 500 शब्दों में) 10×3 = 30

(क) कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) "घनानन्द रीतिकाल की स्वच्छन्द धारा के उत्कृष्ट कवि हैं।" — इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) निराला की प्रगतिशील चेतना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(घ) अज्ञेय के काव्य का शिल्पगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) बिहारी के श्रृंगार वर्णन पर सोदाहरण आलोकपात कीजिए।

———×———